University in News on 27 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

17 शिक्षकों के शोध प्रस्तावों को मंजूरी

लखनऊ। लखनऊ विवि के 17 शिक्षकों के शोध प्रस्तावों को सरकार की ओर से अनुदान मिला है। यह अनुदान सरकार की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत चयनित किए गए हैं। इससे पूर्व सरकार की ओर सेंटर फॉर एक्सीलेंस योजना के तहत विभिन्न विभागों के 20 शिक्षकों के शोध प्रस्ताव मंजूर किए थे। इसमें उन्हें 1.5 करोड़ का अनुदान मिला है। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू के 17 अध्यापक 50 लाख से करेंगे शोध

- प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षकों को अनुदान
- प्राणिशास्त्र विभाग के सबसे अधिक शिक्षक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 17 शिक्षकों को प्रदेश सरकार ने रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के जरिए प्रोजेक्ट अनुदान प्रदान किया है। इन शिक्षकों को शोध कार्य के लिए कुल 50,34,800 रूपये का अनुदान दिया गया है। इसमें सबसे ज्यादा शिक्षक प्राणिशास्त्र विभाग के हैं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्राणिशास्त्र विभाग से डॉ. हादिया हुसैन को दो लाख पचास हजार, प्रो. एम. सेराजुद्दीन को तीन लाख नवासी हजार, डॉ. परमजीत सिंह को तीन लाख, डॉ. कल्पना सिंह को दो लाख अस्सी हजार, डॉ. अमित त्रिपाठी को तीन लाख पचास हजार, डॉ. राजेश खरवार को पांच लाख सत्तर हजार और डॉ. मधु गुप्ता को दो लाख पचास हजार का अनुदान मिला है। इसी तरह रसायन विज्ञान के डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह को एक लाख दस हजार, डॉ. सुधीर को एक लाख पैंतीस हजार की ग्रांट मिली है। इसके अलावा अन्य शिक्षकों को ग्रांट मिली है।

PIONEER PAGE 3

एलयू के 17 शिक्षकों को मिला शोध के लिए अनुदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट ग्रांट के तहत शासन स्तर पर राज्य विश्वविद्यालयों को बजट आवंटित कर दिये गये हैं। आवंटित बजट में लखनऊ विश्वविद्यालय के 17 शिक्षकों को ग्रांट दी गयी है। इस आशय का आदेश शासन स्तर पर संयुक्त सचिव प्रेम कुमार पाण्डेय की तरफ से जारी कर दिया गया है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत उत्तरप्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद के विशेषज्ञ समिति की संस्तुति पर यह अनुदान स्वीकृत किया गया है। प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए जारी अनुदान में लखनऊ विश्वविद्यालय के जुलोजी विभाग में डॉ. हदिया हुसैन को 250000 रुपए, ओनजीसी के तहत डॉ. एम. सिराजुद्दीन को 389000 रुपए, जुलोजी विभाग के डॉ. परमजीत सिंह को 300000 रुपए, स्टेटिक्स की डॉ. रोहिणी यादव को 264000 रुपए, केमिस्ट्री के डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह को 110000 रुपए, जुलोजी विभाग की डॉ. कल्पना सिंह को 280000 रुपए, केमिस्ट्री के डॉ. सुधीर सिंह को 135000 रुपए, जुलोजी के डॉ. अनिल त्रिपाठी को 350000 रुपए, जुलोजी के डॉ. राजेश कुमार खरवार को 570000 रुपए, डॉ. मधु गुप्ता को 250000 रुपए, फिजिक्स के डॉ. राजेश कुमार शुक्ला को 760000 रुपए, डॉ. रोली वर्मा को 220000 रुपए, शिक्षाशास्त्र के डॉ. हेमेन्द्र कुमार सिंह को 206000 रुपए, बॉटनी के डॉ. प्रदीप कुमार को 323000 रुपए, मैथ के डॉ. आनन्द वल्लभ जोशी को 190000 रुपए, एस्ट्रोनॉती की डॉ. अलका मिश्रा को 226600 रुपए, स्टेटिक्स की डॉ. शांभवी मिश्रा को 211200 रुपए अलग-अलग प्रोजेक्ट के लिए आवंटित किये गये हैं।

शोध और अनुसंधान शिक्षा का आधार स्तंभ हैं और प्रदेश सरकार का यह कदम राज्य के विश्वविद्यालयों में शोध और नवाचार को गति प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे हमारे शिक्षण संस्थानों में न केवल शोध की दिशा में नई ऊर्जा का संचार होगा, बल्कि छात्रों को भी विश्वस्तरीय शोध वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक अहम कदम है। सरकार आगे भी प्रदेश के विश्वविद्यालयों को हरसंभव सहायता प्रदान करती रहेगी, ताकि वे शोध और नवाचार में सर्वोत्तम प्रदर्शन कर सकें।

योगेन्द्र उपाध्याय
उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश

इनको भी मिला अनुदान

जिन विश्वविद्यालयों को अनुदान प्राप्त हुआ है, उनमें लखनऊ विश्वविद्यालय, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय (बरेली), महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (वाराणसी), वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (जौनपुर) और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय (कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर) शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इस योजना के अंतर्गत कुल 57,38,800 रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जो निर्धारित शर्तों और प्रतिबंधों के अधीन वितरित की जाएगी।

THE PIONEER PAGE 2

CITYBRIEFS

LU SIGNS MOU WITH CCRH

A memorandum of understanding (MoU) was signed between the University of Lucknow and the Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH), New Delhi, to facilitate research and resource sharing under the university's purview.

This joint MoU aims to initiate interdisciplinary science research programmes, including joint PhD research and dissertation programmes in fields such as Botany, Chemistry, Pharmacology, Molecular Biology, Materia Medica, Pharmacognosy, Biotechnology, and Homoeopathy.

The agreement seeks to foster mutually beneficial activities and establish collaborative relationships. The signing ceremony was presided over by Pro Vice-Chancellor of LU Prof Manuka Khanna, and Director General of CCRH Dr Subhash Kaushik. Various points of mutual cooperation and collaborative studies were discussed.

SEMINAR

A seminar on 'Role of water conservation and innovation in sustainable development and climate action' was held at Navyug Kanya Mahavidyalaya on Thursday. The programme began with the lighting of a lamp. Keynote speaker Dr Mahesh Thakkar emphasised the historical significance of water in Vedic civilisations and warned that water scarcity could lead to conflict. Guest speaker Prof Jaswant Singh highlighted Earth's uniqueness in water availability and the need for proper management. Principal Prof Manjula Upadhyay stressed that water conservation is vital for future sustainability. The event also featured a creative competition under the 'Swachh Sarathi Club', showcasing student initiatives in cleanliness.

₹57.38L grant to boost research, innovation in state universities

Lucknow (PNS): The UP government has taken a significant step toward enhancing research and innovation in the state's higher education institutions by approving financial assistance of Rs 57.38 lakh.

This grant, provided under the Research and Development (R&D) scheme, aims to improve the quality of research work conducted by teachers at state universities, fostering an environment of innovation.

Higher Education Minister Yogendra Upadhyay said: "Research and innovation are the pillars of education, and this initiative by the state government is a key effort to accelerate progress in our universities." He added that the grant will infuse new energy into research activities across educational institutions and help create a world-class research environment for students.

DAINIK JAGRAN PAGE 2

लवि समेत पांच विश्वविद्यालयों को शोध के लिए दिए 57.38 लाख

राज्य ब्यूरो, जागरण• **लखनऊ :** शोध को बढ़ावा देने के लिए पांच विश्वविद्यालयों को 57.38 लाख रुपये की धनराशि दी गई है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना से जिन विश्वविद्यालयों को यह धनराशि दी गई है उनमें लखनऊ विश्वविद्यालय, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय सिद्धार्थनगर शामिल हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय के मुताबिक, विश्वविद्यालयों को शोध व नवाचार के लिए अधिक से अधिक प्रेरित किया जा रहा है। उच्च शिक्षा परिषद की विशेषज्ञ कमेटी की ओर से पांच विश्वविद्यालयों के शोध के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।लखनऊ विश्वविद्यालय में जंतु विज्ञान, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, भौतिक विज्ञान, गणित व खगोलशास्त्र, शिक्षाशास्त्र व वनस्पति विज्ञान विभाग शामिल हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सीसीआरएच व लविवि मिलकर करेंगे नए अनुसंधान

हुआ एमओयू, दोनों मिल कर अनुसंधान व शोध को वैश्विक मानदंडों के अनुसार बढ़ाएंगे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग और सेंट्रल काउंसिल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी (सीसीआरएच) के बीच अनुसंधान को लेकर एमओयू हुआ। अब सीसीआरएच, लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ मिलकर अपने शोध को आगे बढ़ाएगा।

संयुक्त समझौता ज्ञापन के माध्यम से वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, औषध विषय, आण्विक जीव विज्ञान, भेषज विज्ञान फार्माकोग्नॉसी, जैव प्रौद्योगिक और होम्योपैथी सहित अंतःविषय विज्ञान में संयुक्त पीएचडी अनुसंधान कार्यक्रम, शोध प्रबंध कार्यक्रम आदि दोनों संस्थाएं मिलकर कार्य करेंगी।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. मनुका खन्ना व केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने किया। शिष्टाचार भेंट के दौरान पारस्परिक सहयोगात्मक अध्ययन हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। समझौता ज्ञापन सीसीआरएच के डॉ.दिग्विजय वर्मा और लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो गौरी सक्सेना द्वारा किया गया। समझौते के दौरान डॉ. सुनील एस रामटेके, उपमहानिदेशक डॉ शाजी कुमार आरटी, डॉ पंकज गुप्त, शकील अहमद उपस्थित रहे।

समझौता पत्र के साथ सीसीआरएच और लखनऊ विश्वविद्यालय के अधिकारी। अमृत विचार

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

नई शिक्षा नीति में एक्जिट प्रोग्राम बना छात्रों की पसंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नई शिक्षा नीति (2020) अब छात्रों को खूब पसंद आ रही है। हालांकि जब इसे लागू किया गया, तब कई प्रकार के सवाल खड़े किए जा रहे थे, लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी आशंकाओं को निर्मूल साबित किया है।

वर्ष 2021-22 के सत्र के दौरान अनेक कोर्सेज को नए तरीके से डिजाइन किया गया और कुछ विभागों में इसे लागू भी कर दिया गया। पिछले तीन वर्षों में लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के साथ खूब जमकर कदमताल कर रहा है। उल्लेखनीय है कि नई शिक्षा नीति लागू करने में देश के टॉप विश्वविद्यालयों की पहली कतार में लखनऊ विश्वविद्यालय का स्थान है।

नए कोर्स और क्रेडिट सिस्टम लागू

इसमें कोर्सेज को नई जरुरतों के हिसाब से डिजाइन किया गया और क्रेडिट सिस्टम लागू किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग के प्रोफेसर डीआर साहू का कहना है कि शुरुआत में छात्रों में संकोच था, लेकिन अब वे इसके फायदों को समझने लगे हैं। अंडर ग्रेजुएट कोर्स में सेमेस्टर सिस्टम को लागू किया गया, जिससे छात्रों का पढ़ाई के प्रति रुझान बढ़ा है।

नए नियम से स्नातक कार्यक्रम को चार वर्षीय किया गया, लेकिन सुविधा दी गई कि चौथे वर्ष में एक्जिट किया जा सकता है। जिसे छात्र खूब पसंद कर रहे हैं और प्रतिवर्ष इसका लाभ उठाने वालों की तादाता करीब 20 से 30 फीसद है। इसके अलावा अंडर गैज्यूएट कोर्सेज में एकरूपता लाने का प्रयास किया गया है। प्रथम वर्ष के बाद एक्जिट करने पर सर्टिफिकेट, दो वर्ष पर डिप्लोमा, तीन वर्ष पर डिग्री, फूल डिग्री और रिसर्च जैसी सुविधाएं छात्रों की कई मुश्किलें आसान कर रही है और किसी भी छात्र का समय या पैसा बेकार नहीं जा रहा है।

शोध कार्यों के लिए विश्वविद्यालयों को अनुदान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को रिसर्च और डेवलपमेंट योजना के तहत शोध कार्यों के लिए 57.38 लाख रुपए की वित्तीय सहायता

शिक्षण संस्थानों में शोध की दिशा में नई ऊर्जा का होगा संचार

छात्रों को मिलेगा विश्वस्तरीय शोध का वातावरण

स्वीकृत की है। यह अनुदान प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान किया गया है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि शोध और अनुसंधान शिक्षा का आधार स्तंभ है और प्रदेश सरकार का यह कदम राज्य के विश्वविद्यालयों में शोध और नवाचार को गति प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है।इससे हमारे शिक्षण संस्थानों में न केवल शोध की दिशा में नई ऊर्जा का संचार होगा, बल्कि छात्रों को भी विश्वस्तरीय शोध वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक अहम कदम है। उन्होंने बताया कि इस अनुदान का वितरण उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर किया जा रहा है। समिति ने विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा रिसर्च और डेवलपमेंट योजना के तहत प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों का विस्तृत परीक्षण किया। विशेषज्ञ समिति की अनुशंसाओं पर सम्यक विचारोपरांत राज्यपाल ने यह अनुदान स्वीकृत किया है। जिन विश्वविद्यालयों को अनुदान प्राप्त हुआ हैं, उनमें लखनऊ विश्वविद्यालय, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विवि (बरेली), महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (वाराणसी),वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि (जौनपुर) और सिद्धार्थ विवि (कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर) शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इस योजना के तहत कुल 57,38,800 रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है,जो निर्धारित शर्तों और प्रतिबंधों के अधीन वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की उच्च शिक्षा में यह अनुदान एक मील का पत्थर साबित होगा। हमारा लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी शोध केंद्र बनाया जाए और यह अनुदान उस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार आगे भी प्रदेश के विश्वविद्यालयों को हरसंभव सहायता प्रदान करती रहेगी, ताकि वे शोध और नवाचार में सर्वोत्तम प्रदर्शन कर सकें।

HT PAGE 4

R&D scheme: 17 LU faculty members selected

LUCKNOW: Seventeen faculty members of Lucknow University were selected for their research works under the 'Research and Development' scheme of the UP government. In all a fund of Rs 50,34,800 has been allocated for their research in various disciplines.

LU, CCRH in pact to promote research

LUCKNOW: A memorandum of understanding (MoU) was signed between Lucknow University and the Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH), New Delhi, on Thursday. The aim of the MoU is to share resources under the university's purview for research. Digvijay Verma, research officer (Scientist-I, Nodal Officer, Drug

LOKSATYA PAGE 2

एलयू के वनस्पति विज्ञान विभाग और सीसीआरएच में हुआ करार

लखनऊ, लोकसत्य। विश्वविद्यालय के अंतर्गत अनुसंधान और संसाधन साझाकरण के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ और केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। संयुक्त समझौता ज्ञापन के माध्यम से वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, औषध विषय, आण्विक जीवविज्ञान, भेषज विज्ञान फार्माकोग्नॉसी, जैव प्रौद्योगिकी एवं होम्योपैथी आदि, सहित अंतःविषय विज्ञान में संयुक्त पीएचडी अनुसंधान कार्यक्रम, शोध प्रबंध कार्यक्रम आदि परिषद के साथ आरंभ होंगे तथा सहयोगात्मक संबंध स्थापित करने के लिए पारस्परिक लाभकारी कार्य करने को बढ़ावा मिलेगा। समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रो. मनुका खन्ना तथा केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने की।

विज्ञान और होम्योपैथी को आगे बढ़ाने पर जोर

वनस्पति विभाग और सीसीआरएच के बीच एमओयू

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू के तहत अनुसंधान और संसाधन साझाकरण के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय और केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। संयुक्त समझौता ज्ञापन के माध्यम से वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, औषध विषय, आण्विक जीव विज्ञान, भेषज विज्ञान फार्माकोग्नॉसी, जैव प्रौद्योगिकी एवं होम्योपैथी आदि सहित अंतःविषय विज्ञान में संयुक्त पीएचडी अनुसंधान कार्यक्रम, शोध प्रबंध कार्यक्रम आदि परिषद के साथ आरंभ होंगे। जिससे सहयोगात्मक संबंध स्थापित करने के लिए पारस्परिक लाभकारी कार्य करने को बढ़ावा मिलेगा। समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता लविवि की प्रतिकुलपति प्रो.मनुका खन्ना तथा केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ.सुभाष कौशिक ने की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान पारस्परिक सहयोगात्मक अध्ययन के लिए विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। समझौता ज्ञापन का समन्वयन परिषद द्वारा डॉ.दिग्विजय वर्मा, अनुसंधान अधिकारी वैज्ञानिक (नोडल अधिकारी औषधि मानकीकरण), सीसीआरएच, नई दिल्ली तथा लविवि की तरफ से प्रो.गौरी सक्सेना, विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान द्वारा किया गया। इस मौके पर डॉ.सुनील एस.रामटेके, उप महानिदेशक, डॉ.शाजी कुमार आर.टी., अनु.अधिकारी, डॉ.पंकज गुप्ता, सहायक निदेशक, शकील अहमद, सलाहकार आदि उपस्थित रहे।